>

Title: Regarding pitiable condition of Universities in Bihar.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): महोदय, मैं आपका ध्यान बिहार के विश्वविद्यालयों की खराब हालत की तरफ दिलाना चाहता हूं। जहां एक तरफ बिहार सरकार बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा केवल शिक्षा पर खर्च कर रही है वहीं दूसरी तरफ बिहार के विश्वविद्यालयों की स्थिति बहुत जर्जर हो गई है। पांच विश्वविद्यालयों में अभी तक वाइस चांसलर की नियुक्ति नहीं हुई है। दो महीने से बिहार सरकार एपाइंटमेट के लिए कह रही है लेकिन माननीय कुलाधिपति अभी तक एपाइंटमेंट नहीं कर रहे हैं। इससे भी मजेदार बात यह है कि उन्होंने जयप्रकाश विश्वविद्यालय में एक ऐसे व्यक्ति को कुलपति का चार्ज दिया है जो व्यक्ति प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई भी नहीं करता है। इनके ऊपर भोजपुरी गायिका के प्रति अभद्र व्यवहार का आरोप है। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि यह व्यक्ति इसके लायक नहीं है लेकिन इसके बावजूद भी उस वाइस चांसलर बनाया गया है। इससे भी खराब स्थिति कामेश्वर सिंह संस्कृति विश्वविद्यालय की है, वहां के कुलपति और रजिस्ट्रार, दोनों पर एफआईआर दर्ज है, दोनों फरार हैं। बिहार सरकार के कहने के बावजूद भी उन्हें हटाया नहीं गया बल्कि इन्चार्ज वाइस चांसलर को बनाया गया। मेरा निवेदन है कि माननीय कुलाधिपति को बिहार के पांचों विश्वविद्यालय में कुलपति की पोस्टिंग जितनी जल्दी हो सके, करनी चाहिए। इस तरह के जितने व्यक्ति हैं, जिन पर एफआईआर दर्ज है, माननीय कुलाधिपाति को उन्हें सैक करना चाहिए। धन्यवाद।